



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने दी बकरीद की बधाई

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी देशवासियों को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी

नई दिल्ली: देश में आज ईद-उल-अजहा (बकरीद) मनाया जा रहा है। मुस्लिम समुदाय के लोग मस्जिदों और ईदगाहों में जाकर नमाज अदा की और एक-दूसरे के गले लगाकर बधाई दी। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के अलावा कई अन्य नेताओं ने भी ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं दी हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, बसपा प्रमुख



मायावती और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी मुबारकबाद पेश की है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स हैडल पर कहा कि 'ईद-उल-अजहा के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवासियों विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। यह त्योहार बलिदान, आस्था तथा अनेक आदर्शों के महत्व को समझाता

है। आइए, इस शुभ अवसर पर हम सब मिलकर समाज और देश के लिए समर्पण की भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लें। वहीं, पीएम मोदी ने भी सोशल मीडिया पर लिखे पोस्ट में कहा, 'ईद-उल-अजहा की हार्दिक शुभकामनाएं। यह अवसर सद्भाव को प्रेरित करे और हमारे समाज में शांति के ताने-बाने को

मजबूत करे। सभी के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करता हूं'। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी देशवासियों को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं सभी को ईद की बहुत-बहुत मुबारकबाद पेश करता हूं।

पद से हटने के बाद बसपा के जिलाध्यक्ष क्यों नाप लेते हैं पार्टी के कार्यक्रम और दफ्तर से दूरी

तो समीक्षा बैठक में भी नहीं शामिल होते और पार्टी मुखिया के बंदि में भी नहीं पहुंचते



पूर्व जिलाध्यक्षों को देते हैं जानकारी, मगर वो नहीं आते : नरेन्द्र मोहित

करंट क्राइम। पार्टी की ओर से इन पूर्व अध्यक्षों को पद और मान सम्मान दिया गया है लेकिन जब पार्टी को इनकी जरूरत है तो वे पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो रहे हैं। जिलाध्यक्ष नरेन्द्र मोहित ने कहा कि सभी पूर्व जिलाध्यक्षों को सभी बड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी गई लेकिन वे किसी भी कार्यक्रम या मासिक बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। पार्टी अधिकांश मायावती के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम और बाबा साहेब के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भी नहीं आए। इसकी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष तक भेजी गई है।

गाजियाबाद करंट क्राइम।

एक तरफ जहां अन्य चुनावी दल 2027 के चुनावी रण की तैयारी में लग गये हैं। वहीं तेजी से सियासी हाशिये की तरफ जा रही बसपा को एक बड़ी निराशा अपने ही पूर्व जिलाध्यक्षों से मिल रही है।

बताया जाता है कि पद से हटते ही बसपा के जिलाध्यक्ष फिर अपना एक अलग ही सियासी कक्ष तैयार करते हैं। वो पार्टी के दफ्तर का रास्ता भूल जाते हैं। पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बना लेते हैं और पार्टी के कार्यक्रमों में नहीं आते हैं। ऐसे अध्यक्षों की रिपोर्ट बसपा के राष्ट्रीय चीफ कोर्डीनेटर आकाश आनंद के पास पहुंची है और बताया जाता है कि आकाश आनंद ने इस स्थिति पर नाराजी जाहिर करते हुए मंडल प्रभारियों को पूर्व अध्यक्षों से बातचीत कर उनका पक्ष जानने के निर्देश दिये हैं।



और बाबा साहेब के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भी नहीं आए। इसकी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष तक भेजी गई है।

सूत्रों के अनुसार, पूर्व अध्यक्ष रामप्रसाद प्रधान, वीरेन्द्र जाटव और प्रदीप जाटव समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारियों की गैरमौजूदगी पर कार्यकर्ताओं ने रोष व्यक्त किया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि इन सभी नेताओं की पहचान ही बसपा के कारण बनी है और अब ये पार्टी के कार्यक्रमों से बिमुख हो रहे हैं।

राम प्रसाद प्रधान, वीरेन्द्र जाटव और प्रदीप जाटव के नाम हैं शामिल बैठकों में ना शामिल होने वालों में

करंट क्राइम। जानकारी के अनुसार, बसपा के पूर्व अध्यक्ष रामप्रसाद प्रधान, वीरेन्द्र जाटव, प्रदीप जाटव और कई वरिष्ठ नेता ना तो जिलाध्यक्षों की बैठकों में शामिल हो रहे हैं और ना ही पार्टी की ओर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। पार्टी अध्यक्ष मायावती के जन्मदिन के कार्यक्रम में भी शामिल नहीं हुए। बाबा साहेब के परिनिर्वाण दिवस पर भी पूर्व अध्यक्षों ने कार्यक्रमों का बायकाट किया। पार्टी के बड़े पदाधिकारियों ने इन वरिष्ठ नेताओं के गैर मौजूद रहने को गंभीरता से लिया। मेरठ मंडल की ओर से पिछले दिनों धौलाना में छह जिलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इन बैठकों में पूर्व जिलाध्यक्षों को भी शामिल होना था लेकिन वे बैठकों शामिल नहीं हुए। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि विधानसभा चुनाव-2027 के लिए पार्टी को मजबूत करने का काम किया जा रहा है, ऐसे में पूर्व जिलाध्यक्षों की गैर मौजूदगी से तैयारियों को झटका लग सकता है। विधानसभा चुनाव के बाद से ही पूर्व जिलाध्यक्ष पार्टी कार्यक्रमों से नदारद रहने लगे हैं।

लोकसभा से साफ और तेजी से घट रहा है ग्राफ

करंट क्राइम। यदि बसपा की बात करें तो वो गाजियाबाद में एक बड़ा जनाधार रखती है। एक दौर था जब उसके पांच विधायक यहां चुनाव जीतते हैं। एक दौर था जब जिला पंचायत सदस्य में उसके पांच सदस्य चुनाव थे। एक दौर था जब निगम में उसके पार्षद हुआ करते थे। वो गाजियाबाद में सबसे बड़े वोट बैंक डीएम के साथ है। दलित उसका कैडर वोट है और मुस्लिम वोट उसे सपोर्ट करता है। लेकिन अब बसपा का तेजी से ग्राफ घट रहा है। बसपा मेयर चुनाव में चौथे नंबर पर आई। वो विधानसभा उपचुनाव में भी पिछड़ गई। आज स्थिति ये है कि लोकसभा में बसपा का एक भी सांसद नहीं है। उत्तर प्रदेश की इतनी बड़ी विधानसभा में बसपा का केवल एक विधायक है। नगर निगम में इसके पार्षद घट गये हैं। जहां तक बात पार्टी कार्यक्रमों में पूर्व जिलाध्यक्षों की दूरी की है तो यहां कोई मजबूरी हो सकती है, कोई कारण हो सकता है। लेकिन बसपा के ही सूत्र बताते हैं कि ताली दोनों हाथ से बजी है। ऐसे ही कोई पार्टी छोड़ कर नहीं गया और कोई ऐसे ही नहीं दूरी बना रहा है। उनका कहना है कि मौजूदा संगठन कैडर कैपें में कितनी ताकत लगा रहा है। वो सेक्टर कमेटी तो बना रहा है मगर समर्पित कार्यकर्ताओं को कहां समायोजित कर रहा है। मिशन की बात अब क्यों नहीं होती है। उनका कहना है कि ना तो बसपा का कैडर वोट छिटका है और ना ही उसके नेताओं की निष्ठा कम हुई है। यहां पार्टी को केवल एक बार समीक्षा करने की जरूरत है और पुराने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया तो अपने आप पार्टी का वोटबैंक बढ़ जायेगा।

यूपी में पूर्व अग्निवीरों को मिला तोहफा, नौकरियों में 20% आरक्षण का आदेश जारी किया

लखनऊ। पुलिस भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का शासनादेश शुक्रवार को जारी कर दिया गया। उप पुलिस आरक्षी, पीएससी, आरक्षी घुड़सवार व फायरमैन को भर्ती में 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। प्रमुख सचिव, गृह संजय प्रसाद की ओर से जारी किए गए आदेश में उन्हें अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट भी प्रदान किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। अग्निवीर के रूप में चार वर्ष की सेवा देने वाले वालों को यह लाभ दिया जाएगा।

आपको बात दें कि योगी कैबिनेट ने मंगलवार को राज्य की पुलिस भर्ती में



पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत शैतिज आरक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। इसके बाद अब गृह विभाग ने 20% आरक्षण का आदेश जारी कर दिया है। यह फैसला लागू करने वाला यूपी देश में पहला राज्य बन गया है। इस निर्णय का उद्देश्य अग्निपथ

योजना के तहत चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों को सार्थक अवसर देना है। आरक्षण सभी श्रेणियों (सामान्य, एससी, एसटी और ओबीसी) पर लागू होगा। अगर कोई अग्निवीर एससी श्रेणी से संबंधित है तो आरक्षण एससी के भीतर लागू होगा। वहीं, अगर

ओबीसी है तो ओबीसी के भीतर होगा। आरक्षी पुलिस, आरक्षी पीएससी, घुड़सवार पुलिस और फायरमैन जैसी श्रेणियों के लिए आवेदन करने वाले अग्निवीरों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। अग्निवीर उन्हें ही माना जाएगा जो चार साल की सेवा पूरी कर चुके होंगे। इनकी यूपी का मूल निवासी होने की शर्त रहेगी।

इस प्रणाली के तहत भर्ती का पहला बैच 2026 में आएगा। कई राज्यों और केंद्रीय बलों ने अग्निवीरों को आरक्षण देने की पहल की है। हरियाणा व ओडिशा जैसे राज्यों ने पूर्व अग्निवीरों को 10% आरक्षण की पेशकश की है।



दीपक भाटी
समाचार संपादक

मयंक गोयल
महानगर अध्यक्ष, भाजपा, गाजियाबाद



करंट क्राइम

सिर्फ सच...

03

● नई दिल्ली | रविवार 08 जून - 2025

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित



कड़ी सुरक्षा के बीच अमन-चैन से मनाया गया बकरीद का त्यौहार

लोनी में मुस्लिम परिवारों ने मनाई इको फ्रेंडली ईद

देश की तरक्की के लिए उठे हाथ



गाजियाबाद, करंट क्राइम : शनिवार को गाजियाबाद में ईद उल अजहा यानी बकरीद का त्यौहार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अमन, चैन और खुशहाली के बीच मनाया गया। सुबह से ही गाजियाबाद के मसूरी, खोड़ा, साहिबाबाद, लिंक रोड, पसौंड़ा, अर्थला, मुरादनगर, मोदी नगर, लोनी, लिंक रोड, साहिबाबाद, विजयनगर और कैलाभट्टा में सुबह की नमाज पढ़ने के लिए बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे।

सुबह सात बजे से अलग-अलग मस्जिदों में नमाज का समय था, जो करीब नौ बजे तक सभी जगह पूरा हो गया। नमाज पढ़ने के बाद मुस्लिम भाइयों ने एक दूसरे को गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। तो वहीं इस दौरान देश की तरक्की, शांति, आतंकवाद के खालें और सुरक्षा के लिए दुआ में हाथ उठे। इस दौरान पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जोन में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने फील्ड पर ड्यूटी निभाई। तो वहीं एसीपी स्तर के अधिकारी अपने-अपने सर्किल की प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों पर भी दौरा करने के लिए पहुंचे। साथ थाना प्रभारियों और अधिकारियों ने सभी मस्जिदों पर शांतिपूर्वक नमाज पूर्ण होने के बाद कंट्रोल रूम को भी सूचना प्रदान की।



एडिशनल सीपी और डीसीपी रहे क्षेत्र में एक्टिव

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गोड ने कमिश्नरेट के सभी अधिकारियों को बकरीद पर कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रखने और कहीं पर भी माहौल न बिगड़े इसके लिए फील्ड पर रहने का निर्देश दिया था। कैलाभट्टा स्थित मस्जिदों पर एडिशनल सीपी अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी, डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल, एसीपी घंटाघर कोतवाली रिंतेश त्रिपाठी और थाना प्रभारी कोतवाली अनुराग शर्मा पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। तो वहीं साहिबाबाद और लिंक रोड में एसीपी श्वेता यादव ने लिंक रोड महाराजपुर की मस्जिद पर थानाध्यक्ष लिंक रोड प्रीति के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाली। इसके साथ ही मसूरी में एसीपी और थाना प्रभारी मसूरी अजय सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद रहे। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने खोड़ा, कौशांबी और इंदिरापुरम की मस्जिदों पर सुरक्षा का जिम्मा संभालने का काम किया। तो वहीं एसीपी शालीमार गार्डन अतुल सिंह भी फील्ड पर मौजूद रहे। साथ ही थानाध्यक्ष मुरादनगर शैलेंद्र सिंह तोमर पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील रहे। वहीं एसीपी वेव सिटी प्रियाशी पाल ने वेव सिटी और क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके पर मुस्तेदी बना कर रखी। इसके साथ ही एसीपी भास्कर वर्मा, पुनम मिश्रा, सिद्धार्थ गौतम, लिपि लगायत, ज्ञान प्रकाश ने भी अपने-अपने सर्किल में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूती से संभाली।



लोनी के मुसलमानों ने दिया इको फ्रेंडली बकरीद का संदेश

करंट क्राइम : बीते दिनों लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मुस्लिम समाज के लोगों से लोनी में इको फ्रेंडली बकरीद मनाने की अपील की थी। जिसका असर शनिवार को बकरीद के अवसर पर देखने को मिला। लोनी के दर्जनों मुस्लिम परिवारों ने इको फ्रेंडली बकरीद का संदेश देते हुए केक काटा और उसमें बकरे की फोटो लगाई। इस दौरान घर में रहकर अमन चैन की दुआ मांगी, तो वहीं पशु कुबानी से भी वह दूर रहे। उधर विधायक लोनी नंदकिशोर गुर्जर ने इन सभी लोगों का धन्यवाद और इन्हें बकरीद की मुबारकबाद दी।



नाहल में दिखी बकरीद की रौनक पुलिस रही अलर्ट

करंट क्राइम : मसूरी थानाक्षेत्र के गांव नाहल में गौतमबुद्ध नगर के सिपाही सौरभ की हत्या के बाद जो माहौल बिगड़ा हुआ था अब वह थोड़ा सुधरता हुआ नजर आ रहा है। शनिवार को बकरीद के मौके पर नाहल गांव में बकरीद पर लोगों की भीड़भाड़ दिखाई दी। तो लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। इस दौरान कई जगह बकरीद पर मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हालांकि गांव में अहंतिभाव के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था रखी गई थी और पुलिस की टीमे भी गश्त कर रही थी।



बाजार और मॉल रहे गुलजार

करंट क्राइम : शनिवार को बकरीद के त्यौहार के चलते गाजियाबाद के तमाम बाजारों और मॉल भीड़ से गुलजार रहे। सुबह लोगों ने मस्जिद, घरों और ईदगाह में बकरीद की नमाज अता की। तो दोपहर में उन्होंने बकरीद के त्यौहार को बनाया और शाम को बाजार एवं मॉल में खरीदारी एवं खान-पान का लुप्त उठाने के लिए भी पहुंचे। इस दौरान भीड़ का नजारा रहा। तो लोगों ने बकरीद के त्यौहार को उल्लास के साथ मनाने का भी काम किया।

मंडल वाले मौहल्लों में बजेगा जुलाई के महीने में ढोल

मानसून के साथ ही हो जायेगी मंडल वाली टीमों की घोषणा



मंडल ताजपोशी को लेकर है पूरा जोश

करंट क्राइम : संगठन की दृष्टि से भाजपा में काम चल रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक बदलाव की सूचना है। महानगर में बदलाव हो चुका है और जिले में भी बदलाव हो चुका है। जिले में चैनपाल गुर्जर और महानगर में मयंक गोयल को कमान सौंपी गई है। मयंक गोयल के अध्यक्ष बनने के बाद से ही लगातार पार्टी के आयाम आ रहे हैं। तिरंगा यात्रा से लेकर बलिदान पथ पर हिंदु सम्राज्य कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इसी बीच जब लगातार घोषणाएं हो रही हैं तो यहां कार्यकर्ताओं की वो टोली भी पूरी ताकत से लग गई है जो पहले वाले कार्यकाल में हाथियों पर थी। एक बड़ा दबाव जहां महानगर अध्यक्ष पर है वहीं मंडल की टीम में आने के लिए कार्यकर्ताओं में भी गजब का जोश है। वो किसी भी तरह से अब भाजपा की टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं। मंडल अध्यक्ष के अतिरिक्त मंडल में अन्य पदों के लिए दावेदारी करने वाले चेहरों ने अब अपनी सक्रियता बढ़ा दी है।

मंत्री अपने हाथ में ले सकते हैं। वो अपनी पसंद के प्रधानों के लिए लखनऊ में डेरा डाल सकते हैं तो फिर मंडल वाली टीम के पदाधिकारियों के लिए भी दूसरे सांसद और विधायक पूरी रूचि ले सकते हैं। ऐसा हो भी रहा है और सूत्र बताते हैं कि अभी मंडल टीम के लिए जून का पूरा महीना बीतेगा और फिर उसके बाद जुलाई के प्रथम सप्ताह में मंडल वाली टीम घोषित हो जायेगी। हालांकि पार्टी के कई स्तर पर ये संकेत दिये गये हैं कि आने वाले एक सप्ताह में मंडल वाली सूची जारी हो सकती है। लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि अभी विचार विमर्श का दौर चलेगा और इसी पूरे क्रम में जून का महीना गुजर जायेगा। इधर मानसून आयेगा और उधर मंडल वाली लिस्ट जा आयेगी।

पांच आरोपियों पर गुंडा एक्ट के तहत की गई कार्रवाई, किया गया जिला बदर

कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत बनाने का प्रयास

आलोक प्रियदर्शी, गुंडा एक्ट
गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए लगातार पुलिस के अधिकारियों द्वारा कड़े और बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में न्यायालय अतिरिक्त पुलिस आयुक्त गाजियाबाद ने उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 के तहत कार्रवाई करते हुए पांच लोगों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए 6 महीने के लिए जिला बदर किया है। इन सभी को जिले की सीमाओं से 6 महीने के लिए बाहर रखा जाएगा। साथ ही पुलिसकर्मों बीट पुलिसिंग वाले इन पर निगरानी रखने का काम भी करेंगे, अगर इनका चाल चलन ठीक नहीं रहता है तो इनकी समय अवधि को आगे भी बढ़ाया जा सकता है।



इन पर की गई है कार्रवाई

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में एडिशनल सीपी अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक कुमार प्रियदर्शी ने बताया है कि अलग-अलग गंभीर अपराध के आरोपियों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए उन्हें 6 महीने के लिए जिला बदर किया गया है। इसमें राजवीर सिंह थाना कौशांबी, फरमान ट्रेनिंग सिटी, शहजाद लोनी, नरेंद्र कसाना मुरादनगर और गुलफाम उर्फ मुन्ना टीलामोड़ पर यह कार्रवाई की गई है। साथ ही सभी को 6 महीने के लिए जिला बदर किया गया है। इन सभी पर दो या उससे अधिक मुकदमे दर्ज थे।

वर्ष 2025 में अब तक 28 पर की गई गुंडा एक्ट में कार्रवाई

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में वर्ष 2025 में 1 जनवरी से लेकर अब तक कुल 28 अभियुक्त पर गुंडा एक्ट घोषित करते हुए उन्हें 6 महीने के लिए जनपद की सीमाओं से जिला बदर किया गया है। साथ ही नौ अभियुक्तों को थाने में हाजिरी लगाने का आदेश एडिशनल सीपी अपराध एवं कानून व्यवस्था ने कोर्ट में सुनवाई करते हुए जारी किया है।



पुलिस कमिश्नरेट में जल्द शुरू होगा बंद और खराब कैमरों को लेकर ऑपरेशन

चौकी बार बनाई जाएगी रिपोर्ट और नगर निगम-जीडीए से लिया जाएगा सहयोग

अपराध नियंत्रण करने के लिए पुलिस तैयार करेगी पूरा डेटाबेस रिकॉर्ड



गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में जल्द ही तीनों जोन की पुलिस चौकी बार खराब सीसीटीवी और वर्तमान में कितने कैमरे तैयार करेगी। दरअसल किसी भी वारदात और घटना के बाद पुलिस सबसे पहले सीसीटीवी खंगालने और तलाशने का काम करती है। इसमें बदमाशों और आरोपियों की फुटेज आने के बाद पुलिस को काफी हद तक मदद मिल जाती है।

साथ ही आरोपियों तक पहुंचाने और उनकी गिरफ्तारी के लिए वर्किंग में भी सहूलियत मिलती है लेकिन बीते दिनों के कई मामलों की जांच में पाया गया है कि पुलिस को संबंधित घटना और अपराध के मामले में ना तो फुटेज



उपलब्ध हो पाती है और जो मार्ग के कैमरे हैं, वह चालू हालत में नहीं मिलते हैं। जिसका खामियाजा पुलिस को अपराध नियंत्रण और वारदातों के

खुलासों में देरी के रूप में भुगतना पड़ता है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि जल्द ही चौकी

ऑपरेशन त्रिनेत्र का डाटा भी होगा क्रॉस चेक

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्रों से जानकारी मिली है कि बीते लगभग द्वाइ सालों के दौरान गाजियाबाद पुलिस के तीनों जोन में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत करीब 6000 से अधिक कैमरे लगवाने और उनका डाटा हासिल करने का दावा किया जा रहा था। उसको भी इस प्रक्रिया के तहत क्रॉस चेक किया जाएगा कि कहां पर कैमरे चालू हालत में हैं और कहां पर वह किस हालत में हो चुके हैं, कहां पर नए कैमरे लगाने की आवश्यकता है और किन स्थानों पर अधेरा होने की वजह से कैमरों की विजिबिलिटी ठीक नहीं बन पाती है। दरअसल पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अपराध नियंत्रण को लेकर अब अधिकारियों की ओर से बड़े स्तर पर प्लानिंग शुरू की जा रही है इसीलिए इस अभियान को दोबारा से जांचा और परखा जाएगा।

नगर निगम और जीडीए को लिखा जाएगा लैटर

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम के अंतर्गत आने वाले सिटी, ग्रामीण और ट्रांस हिंडन जोन में किस जोन में कितने हैं कैमरे हैं और उनकी मौजूदा स्थिति क्या है इसको लेकर पूरा रिकॉर्ड तैयार होगा। साथ ही कई जगह ऐसे कैमरे भी लगवाए जाने हैं जो दिन और रात में वर्किंग कर सकें। साथ ही उनकी रडार में आसपास का बड़ा क्षेत्र कवर हो, ऐसा होने से पुलिस को अपराध नियंत्रण और वारदात घटनाओं और अन्य अपराध के खुलासा में बेहद मदद मिलेगी। बता दें कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि जल्द ही पुलिस कमिश्नर सभी थाना प्रभारियों को इसको लेकर दिशा-निर्देश भी जारी कर सकते हैं।

उपासना पांडे बनाई गई एसीपी लॉ एंड ऑर्डर



गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते दिनों पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गोड ने कानून व्यवस्था एवं कार्य में समन्वय स्थापित करने के लिए दो एसीपी को नई जिम्मेदारी सौंपी है। जिसके तहत छुट्टी से लौटी एसीपी उपासना पांडे को

गाजियाबाद में एसीपी कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। तो उनके साथ ही एसीपी ऑफिस का प्रभार अमित सक्सेना को दिया गया है। दोनों ने अपने-अपने दायित्व संभाल लिए हैं। साथ ही जानकारी मिली है कि बीते दिनों एसीपी के रिटायर्ड होने के बाद एसीपी ऑफिस का पद खाली चल रहा था, वहां अमित सक्सेना को जिम्मेदारी दी गई है। तो एसीपी लॉ एंड ऑर्डर रहे भास्कर वर्मा को कवि नगर का दायित्व मिला था, तब से उनका पद खाली था, जहां पर उपासना पांडे कार्यवाह संभालेगी।

